शनिवार
05 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

पैरों से नहीं जा रही खुजली तो आजमाए ये घरेलू उपाय

पृष्ठ 5

अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की बायोपिक में लीड रोल निभाएंगे फरहान अख्तर

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 13
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।

– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

प्रदेश में ध्रुवीकरण की राजनीति शुरू

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आती जा रही है वैसे-वैसे वोटों के ध्रुवीकरण की राजनीति भी जोर पकड़ती दिख रही है। उत्तराखंड भाजपा के ट्विटर हैंडल पर नजर आ रही इन दो ट्वीट के जरिए इसे आसानी से समझा जा सकता है।

उत्तराखंड के लोगों को क्या चाहिए? संस्कृति विश्वविद्यालय या फिर मुस्लिम यूनिवर्सिटी। मस्जिद और मौलवियों को बढ़ावा देने वाली कांग्रेस सरकार या फिर केदारधाम का विकास करने वाली भाजपा की सरकार? फैसला जनता स्वयं करें। भाजपा के इन दोनों ट्वीट के जरिए

❑भाजपा के ट्वीट में कांग्रेस पर निशाना
❑सरकार किसकी, फैसला जनता ही करेगी

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए यह संदेश दिया गया है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है। भाजपा ने अपने इन ट्वीट में जो कहा गया है कि फैसला जनता को स्वयं करना है। तो इसमें कोई संदेह नहीं है फैसला तो जनता ही करेगी लेकिन जाति और धर्म तथा आस्था और आस्था लाइव के आधार पर फैसला किया जाना क्या तुष्टीकरण की राजनीति नहीं है? अगर है तो इस तरह के प्रयास कम से कम देवभूमि की राजनीति के लिए हितकर नहीं कहे जा सकते हैं।

असल में चुनावी दौर में इसकी शुरुआत सहसपुर क्षेत्र से कांग्रेस के बागी प्रत्याशी द्वारा नामांकन पत्र वापसी के लिए रखी गई मुस्लिम यूनिवर्सिटी की शर्त से शुरू हुई जिसमें कांग्रेस के बड़े नेताओं से वार्ता होने का हवाला दिया गया था। जहां तक बात केदार पूरी के विकास की बात है इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के अपने-अपने दावे हैं। किसने कितने विकास कार्य किए यह अलग बात है लेकिन विकास दोनों के कार्यकाल में हुए। लड़ाई अब चुनावी दौर में श्रेय की है लेकिन राजनीतिक दल इसे चार धामों के विकास कार्यों और मस्जिदों और मौलवियों के विकास

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

आठ मई को खुलेंगे बदरीनाथ धाम के कपाट

संवाददाता

देहरादून। विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट 8 मई को खुलेंगे तथा तेलकलश यात्रा की तिथि 22 अप्रैल है।

आज यहां श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस यात्रा वर्ष विश्व प्रसिद्ध श्री बदरीनाथ धाम के कपाट रविवार आठ मई को प्रात: छह बजकर 15 मिनट में खुलेंगे। जबकि गाडू घडा तेलकलश यात्रा 22 अप्रैल शुक्रवार है। आज यहां नरेन्द्र नगर स्थित राजमहल में बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सादे धार्मिक समारोह में पूजा अर्चना तथा पंचाग गणना पश्चात राज परिवार, श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति की उपस्थिति में धर्माचार्यो द्वारा पंचाग गणना के पश्चात श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि तय की गयी। कार्यक्रम में कोविड प्रोटोकॉल मानको का पालन किया गया। उल्लेखनीय है कि श्री बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित होते ही उत्तराखण्ड चारधाम यात्रा 2022 की तैयारियां शुरू हो जायेगी।

सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर किए

जम्मू। श्रीनगर के जकुरा में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों व आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आतंकी मार दिए गए। यह जानकारी कश्मीर जोन पुलिस की ओर से दी गई। कश्मीर के आइजीपी ने बताया कि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और टीआरपी के दो आतंकवादियों को श्रीनगर पुलिस ने मार गिराया है। मारे गए आतंकवादियों में से एक इखलाक हाजम है। इनके पास से ०२ पिस्तौल सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई हैं। इस तरह से आज सुबह सुरक्षाबलों ने अनंतनाग के हसनपोरा इलाके में बलिदानी हुए पुलिसकर्मी अली मोहम्मद की मौत का बदला भी ले लिया।

श्रीनगर के जकूरा इलाके में आज शनिवार सुबह सुरक्षाबलों व आतंकियों के बीच करीब एक घंटा चली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने पुलिस हैडकांस्टेबल अली मोहम्मद की हत्या में शामिल लश्कर-ए-तैयबा/द रजिस्टेंट्स फ्रंट के आतंकवादी इखलाक हज्जाम को उसके साथी के साथ ढेर कर दिया। आइजीपी विजय कुमार ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि इस मुठभेड़ में मारा गया दूसरा आतंकी जिला पुलवामा के मंगलपोरा का रहने वाला आदिल डार था। हालांकि उन्होंने यह बात भी बताई कि दोनों आतंकवादियों को मारने से पहले उन्हें आत्मसपर्मण करने का मौका दिया था। जानकारी के लिए हैड कांस्टेबल अली मोहम्मद की हत्या आतंकवादियों ने २६ जनवरी को उस समय की जब वह बिजबेहाड़ा अनंतनाग में स्थित हसनपोरा तबाला, अपने घर लौट रहे थे।

देश में 24 घंटों में कोरोना के 127952 मामले आए, संक्रमण से 1059 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली। भारत में पिछले २४ घंटों में कोरोना संक्रमण के १,२७,६५२ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, २,३०,८१४ लोग इस बीमारी से ठीक हुए हैं तो १,०५६ लोगों की कोरोना से मौत हुई है, जिसके बाद कुल मौतों का आंकड़ा ५ लाख ०१ हजार ११४ हो गई है। वहीं, अब देश में कोरोना संक्रमण के कुल ४,२०,८०,६६४ मामले मौजूद हैं, जबकि सक्रिय मामलों की संख्या १३,३१,६४८ है। इसके अलावा कुल रिकवरी की बात करें तो आंकड़ा ४,०२,४७,६०२ रहा, जबकि दैनिक पॉजिटिविटी रेट ७.६८ प्रतिशत है।

शुक्रवार के मुकाबले आज कोरोना संक्रमण के नए मामलों में कमी दर्ज की गई है। शुक्रवार को देश में पिछले २४ घंटों में कोरोना संक्रमण के १,४६,३६४ नए मामले सामने आए थे। यह आंकड़ा गुरवार के मुकाबले १३ प्रतिशत कम था। ऐसे में लगातार दो दिनों से कोविड-१६ के मामलों में कमी देखी जा रही है।

बता दें कि गुरुवार को १,७२,४३३ नए मामले सामने आए थे।

शुक्रवार को पिछले २४ घंटों में भारत में कोरोना संक्रमण से १०७२ लोगों की मृत्यु हुई थी, जबकि २,४६,६७४ लोग इस बीमारी से ठीक भी हुए थे। मालूम हो, दैनिक पॉजिटिव दर भी गुरुवार के मुकाबले शुक्रवार को कम हुआ था। बीते दिन संक्रमण दर ६.२७ प्रतिशत रहा। हालांकि, गुरुवार को यह १०.६६ प्रतिशत था। हालांकि, गुरुवार की बात करें तो कोरोना संक्रमण के कुल मामले ४,१६,५२,७१२ हो गए थे, जबकि १४,३५,५६६ सक्रिय मामले पाए गए थे। साथ ही, ४,००,१७,०८८ लोगों की कुल रिकवरी भी हुई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

नाम व नारों की राजनीति कब तक?

यह विडंबना है या वर्तमान की राजनीति की हकीकत कि अब सभी दल और नेता चुनाव जीतने के लिए सिर्फ चुनावी हथकंडो पर अधिक निर्भर रहते हैं और उन्हें अपने काम पर भरोसा नहीं रहा है। उत्तराखंड के चुनाव में भी इस बार ऐसा ही कुछ देखा जा रहा है सामाजिक सरोकार के मुद्दे चुनाव में कहीं भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भाजपा को चुनौती दे रहे हैं कि अगर भाजपा नेताओं में दम है तो बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दों पर चुनाव लड़ कर दिखाएं? इसमें कोई संशय नहीं है कि आज के वर्तमान में देश और समाज के सामने इससे बड़ा कोई मुद्दा नहीं है। लेकिन भाजपा उत्तराखंड में फिर चाहिए धामी और मोदी की सरकार तथा यूपी में योगी और मोदी के मुद्दे पर ही चुनाव लड़ रही है या फिर अयोध्या, काशी और मथुरा जैसे ही मुद्दे उछाले जा रहे हैं। भाजपा सिर्फ मोदी के नाम पर ही अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने के सपने बुन रही है। 2017 के चुनाव में भाजपा ने मोदी लहर पर सवार होकर 70 में से 57 सीटें जीती थी। भाजपा की सरकार ने बीते 5 सालों में क्या किया? इस सवाल का उत्तर भले ही इस बात में छुपा हो कि अगर इस सरकार ने कुछ किया होता तो उसे चुनाव से पूर्व बेवजह दो बार मुख्यमंत्री बदलने की जरूरत नहीं पड़ी होती और आज वह छाती ठोक कर जनता से अपने काम के नाम पर वोट मांग रही होती। उसे धामी-मोदी की सरकार की बात नहीं करनी पड़ती। अच्छे दिन आने वाले है; हम मोदी जी को लाने वाले है; काला धन वापस लाएंगे, गरीबों को 15-15 लाख देकर अमीर बनाएंगे। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और किसानों की आय दोगुनी करने की बात से लेकर हर साल दो करोड़ रोजगार जैसे जितने भी नारे और वायदे भाजपा और मोदी ने किए वह कितने पूरे हुए इसका सच सभी जान चुके हैं। बात अब या तो मुफ्त राशन बांटने पर या हिंदू राष्ट्र पर आकर टिक गई है या फिर अयोध्या, काशी और मथुरा पर। भाजपा जिस तरह से एक के बाद एक नए स्लोगन, नई स्कीम पेस कर पुरानी बातों से पल्ला झाड़ती हुई आगे बढ़ने के सपने देख रही है उस पर जनता कब और कितना भरोसा कर सकती है यह अब मोदी और भाजपा दोनों को ही सोचना पड़ेगा। डिजिटल इंडिया, लोकल फार वोकल, स्मार्ट सिटी, स्टार्टअप और न जाने क्या-क्या भाजपा की डिक्शनरी में कितने शब्द हैं। लेकिन इन शब्दों के अर्थ भी कभी न कभी तो जनता खोजेगी ही। खास बात यह है कि पेट भरने के लिए रोटी और जीने के लिए कपड़ा व मकान सबसे पहले जरूरी होता है। शब्द आदमी का पेट नहीं भर सकते न अच्छे और लच्छेदार भाषणों से जनता की समस्याओं का समाधान हो सकता है। मुफ्त का राशन कोई सरकार कब तक दे सकती है और कब तक मुफ्त का इलाज संभव है? कब तक दो-चार सौ रूपये महीने की सम्मान राशियों पर लोग जिंदा रह सकते हैं। अपने सत्ता स्वार्थों के लिए देश की जनता को क्यों भिखारी बना कर आत्मनिर्भर भारत का सपना दिखाया जा रहा है? देश के नेता इस देश को कहां ले कर जा रहे हैं इसका उन्हें खुद भी अनुमान नहीं है। सिर्फ महंगाई और बेरोजगारी ही नहीं गरीबी और गरीब-अमीरों के बीच की खाई इतनी चौड़ी हो चुकी है कि इस देश को इस खाई से बाहर लाना भी असंभव हो जाएगा। अच्छा हो कि जनता को भिखारी बनाने वाली इस राजनीति और नेताओं से मुक्ति पर जनता ही कुछ अच्छे निर्णय लें और यह तभी संभव है जब नाम और नारों की बजाय जनता काम पर वोट करेगी।

मकान को ध्वस्त कर सामान ले जाने के दो अन्य आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। महिला का मकान ध्वस्त कर सामान ले जाने के दो अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अब तक इस मामले में चार लोग गिरफ्तार हो चुके हैं।

प्राप्त जा नकारी के अनुसार कुसुम कपूर की सन शाइन एंक्लेव सोसाइटी क्लेमेंट टाउन में स्थित सम्पत्ति को खुर्द-बुर्द कर भवन को धवस्त करते हुए भवन में रखा सामान ले जाने के सम्बन्ध में पीडिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर 17 जनवरी को थाना क्लेमेमन्टाउन पर बनाम अमित यादव आदि मुकदमा पंजीकृत कर जांच उच्चाधिकारीगणों के आदेशानुसार जनपद हरिद्वार से करायी जा रही है। जांच के दौरान मामले में लूट व अन्य धाराओं की बढोत्तरी की गई। उक्त घटना की सवेंदनशीलता को देखते हुए पुलिस उपमहानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र व पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा घटना के शीघ्र अनावरण हेतु आदेशित किया गया, जिसके क्रम में घटना के अनावरण हेतु साइबर सैल हरिद्वार, सीआईयू हरिद्वार वैएसओजी देहरादून की संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटना के सम्बन्ध में तथ्य जुटाते हुए आरोपियों की सुरागरसी-पतारसी करते हुए वाछिंत दो अन्य आरोपियायो वीर सेन कश्यप पुत्र प्रेम चन्द्र कश्यप निवासी पो०ओ० रोड क्लेमेन्टाउन देहरादून व सन्नी उर्फ सारिक पुत्र स्व० लीम अहमद निवासी सी-१५ टर्नर रोड क्लेमेन्टाउन देहरादून को गिरफ्तार किया गया। दोनों से पूछताछ जारी है।

प्रकृति परिवर्तन का पर्व बसंत पंचमी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

बसंत पंचमी का पावन पर्व माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है।इस दिन मां सरस्वती की पूजा अर्चना करने का विधान है। बसंत पंचमी 5 फरवरी को सिद्ध साध्य और रवि योग के त्रिवेणी योग में मनायी जाएगी। अबूझ मुहूर्त के कारण सभी इस घड़ी को विवाह योग के रूप में उपयोग कर सकते है। मंदिर में मां सरस्वती का विशेष श्रृंगार और पूजा की जाएगी। इस बार बसंत पंचमी 5 फरवरी, के दिन मनाई जा रही है। धार्मिक मान्यता है कि मां सरस्वती की पूजा करने से व्यक्ति को करियर और परीक्षा में सफलता मिलती है। खासतौर पर नौकरी-पेशा, स्कूल-कॉलेज, संस्थान और कला के क्षेत्र से जुड़े लोग इस दिन मां सरस्वती की पूजा करते हैं। आज ही के दिन पृथ्वी की अग्नि, सृजन की तरफ अपनी दिशा करती है। जिसके कारण पृथ्वी पर समस्त पेड़ पौधे फूल मनुष्य आदि गत शरद ऋतु में मंद पड़े अपने आंतरिक अग्नि को प्रज्जवलित कर नये सृजन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि स्वयं के स्वभाव प्रकृति एवं उद्देश्य के अनुरूप प्रत्येक चराचर अपने सृजन क्षमता का पूर्ण उपयोग करते हुए, जहां संपूर्ण पृथ्वी को हरी चादर में लपेटने का प्रयास करता है, वहीं पौधे रंग-बिरंगे सृजन के मार्ग को अपनाकर संपूर्णता में प्रकृति को वास्तविक स्वरूप प्रदान करते हैं। इस रमणीय, कमनीय एवं रति आदर्श ऋतु में पूर्ण वर्ष शांत रहने वाली कोयल भी अपने मधुर कंठ से प्रकृति का गुणगान करने लगती है। एवं महान संगीतज्ञ बसंत रस के स्वर को प्रकट कर सृजन को प्रोत्साहित करते हैं। प्रकृति में प्रत्येक सौंदर्य एवं भोग तथा सृजन के मूल माने जाने वाले भगवान शुक्र देव अपने मित्र के घर की यात्रा के लिए बेचैन होकर इस उद्देश्य से चलना प्रारंभ करते हैं कि उत्तरायण के इस देव काल में वह अपनी उच्च की कक्षा में पहुंच कर संपूर्ण जगत को जीवन जीने की आस व साहस दे सकें।

शास्त्रों के अनुसार बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती के मंत्रों का जाप और सरस्वती वंदना अवश्य करनी चाहिए।इसके बाद मां सरस्वती की आरती करना बिल्कुल न भूलें।तभी सरस्वती की पूजा संपन्न मानी जाती है और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

कहते है,सृष्टि के आरम्भ में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा ने जीवों की रचना की थी। जिनमे मनुष्य का भी उदभव हुआ।लेकिन अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे, उन्हें लगा कि कुछ कमी रह गई है, जिसके कारण चारों ओर मौन छाया रहा।तब भगवान विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कम्पंन होने लगा। तभी एक चतुर्भुजी स्त्री के रूप में अदभुत शक्ति का प्राकट्य हुआ, जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला प्रतिष्ठित थीं।

ब्रह्मा जी ने प्रकट हुई देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुर नाद किया, संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल हो गया व हवा चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्माजी ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती नाम दिया। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादिनी और बाग्देवी आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है। यह देवी विद्या और बुद्धि की प्रदाता हैं, संगीत की उत्पत्ति करने के कारण यह संगीत की देवी भी कहलाती हैं।वही वसंत पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने मां सरस्वती को वरदान दिया था कि उनकी प्रत्येक ब्रह्मांड में माघ शुक्ल पंचमी के दिन विद्या आरम्भ के शुभ अवसर पर पूजा होगी। श्रीकृष्ण के वर प्रभाव से प्रलयपर्यन्त तक प्रत्येक कल्प में मनुष्य, मनुगण, देवता, मोक्षकामी, वसु, योगी, सिद्ध, नाग, गन्धर्व और राक्षस आदि सभी बड़ी भक्ति के साथ सरस्वती की पूजा करते है। पूजा के अवसर पर विद्वानो द्वारा सम्यक् प्रकार से मां सरस्वती का स्तुति-पाठ होता है। भगवान श्री कृष्ण ने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की पूजा की थी, तत्पश्चात ब्रह्मा, विष्णु , शिव और इंद्र आदि देवताओं ने मां सरस्वती की आराधना की। तब से मां सरस्वती सम्पूर्ण प्राणियों द्वारा सदा पूजित हो रही है। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को पीले रंग का फूल और फूल अर्पण किए जाते हैं। शुभ मुहूर्त में कई गई पूजा और साधना का भी महत्व है। यह दिन बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इसलिए श्रद्धालु गंगा मां के साथ-साथ अन्य पवित्र नदियों में डुबकी लगाने के साथ आराधना भी करते है। वहीं इस समय फूलों पर बाहर आ जाती है, खेतों में सरसों के फूल चमकने लगते हैं, गेहूं की बालियां भी खिलखिला उठती हैं। इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनने के साथ पतंग और स्वादिष्ट चावल बनाए जाते हैं। पीला रंग बसंत का प्रतीक है।संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोग इस दिन का सालभर से इंतजार करते हैं। बसंत पंचमी के अवसर पर इस साल दो उत्तम योग बन रहे हैं, जिसके कारण पूरे जिन शुभ कार्य किए जा सकते हैं। इस दिन लोग पीले वस्त्र पहनकर सुबह सवेरे मां सरस्वती की अराधना करते हैं।

बसंत पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठना चाहिए। कोशिश करनी चाहिए कि सूर्योदय से कम से कम दो घंटे पहले बिस्तर छोड़ देने चाहिए।बसंत पंचमी के दिन स्नान करके साफ कपड़े पहनने चाहिए।

बसंत पंचमी के दिन मंदिर की सफाई करनी चाहिए। मां सरस्वती को पूजा के दौरान पीली वस्तुएं अर्पित करनी चाहिए। जैसे पीले चावल, बेसन का लड्डू आदि।सरस्वती पूजा में पेन, किताब, पेसिंल आदि को जरूर शामिल करना चाहिए और इनकी पूजा करनी चाहिए।बसंत पंचमी के दिन लहसुन, प्याज से बनी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। महाकवि कालिदास ने ऋतुसंहार नामक काव्य में इसे %%सर्वप्रिये चारुतर वसंते%% कहकर अलंकृत किया है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने %%ऋतूनां कुसुमाकरः%% अर्थात मैं ऋतुओं में वसंत हूं, कहकर वसंत को अपना स्वरुप बताया है। वसंत पंचमी के दिन ही कामदेव और रति ने पहली बार मानव हृदय में प्रेम और आकर्षण का संचार किया था। इस दिन कामदेव और रति के पूजन का उद्देश्य दांपत्त्य जीवन को सुखमय बनाना है, जबकि सरस्वती पूजन का उद्देश्य जीवन में अज्ञानरूपी अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश उत्त्पन्न करना है।वसंत पंचमी के दिन यथाशक्ति %%? ऐं सरस्वत्यै नमः %% का जाप करें। माँ सरस्वती का बीजमंत्र %% ऐं %% है, जिसके उच्चारण मात्र से ही बुद्धि विकसित होती है। इस दिन से ही बच्चों को विद्या अध्ययन प्रारम्भ करवाना चाहिए। ऐसा करने से बुद्धि कुशाग्र होती है और माँ सरस्वती की कृपा बच्चों के जीवन में सदैव बनी रहती है।इस बार पंचमी तिथि 5 फरवरी को प्रातः 3.47 बजे से अगले दिन छठे दिन प्रातः 3.46 बजे तक रहेगी। इस अवसर पर अगले दिन शाम 4 बजे से शाम 7.11 बजे से शाम 5.42 बजे तक सिद्धयोग रहेगा। 5.43 बजे से दिन तक साध्य योग रहेगा। इसके अलावा रवि योग का संयोग भी बना रहा। ये संयोग दिन को शुभ बना रहे हैं। इससे पहले गुप्त नवरात्रि 2 फरवरी से शुरू हो जाएगी।बसंत पंचमी 5 फरवरी शनिवार के दिन मनाई जाएगी। इस विशेष अवसर पर सिद्ध, साध्य और रवि योग के त्रिवेणी योग में ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाएगी। जो कार्य में शुभता और सिद्धि प्रदान करती है। अबूझ मुहूर्त के चलते शहर भर में एक हजार से अधिक विवाह कार्यक्रम होंगे। इसके साथ ही विद्यारंभ समारोह होगा और मंदिरों में मां सरस्वती का विशेष श्रृंगार और पूजा की जाएगी। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 5 फरवरी को प्रातः 3.47 बजे से अगले दिन छठे दिन प्रातः 3.46 बजे तक रहेगी। इस अवसर पर अगले दिन शाम 4 बजे से शाम 7.11 बजे से शाम 5.42 बजे तक सिद्धयोग रहेगा। 5.43 बजे से दिन तक साध्य योग रहेगा। इसके अलावा रवि योग का संयोग भी बना रहा। ये संयोग दिन को शुभ बना रहे हैं। इससे पहले गुप्त नवरात्रि 2 फरवरी से शुरू होगी।बसंत पंचमी का दिन दोषमुक्त दिन माना जाता है। इसी वजह से इसे सेल्फ साइडिंग और अबूझ मुहूर्त भी कहा जाता है। इसी वजह से इस दिन बड़ी संख्या में शादियां होती हैं। विवाह के अलावा मुंडन समारोह, यज्ञोपवीत, गृह प्रवेश, वाहन खरीदना आदि शुभ कार्य भी किए जाते हैं। इस दिन को बागेश्वरी जयंती और श्री पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

द्यौर्न य इन्द्राभि भूमार्यस्तस्थौ रयिः शवसा पृत्सु जनान्।
तं नः सहस्रभरमुर्वरासां दद्धि सूनो सहसो वृत्रतुरम्।।

(ऋग्वेद ६-२०-१)

हे परमेश्वर ! हमें ऐसा धन प्राप्त कराइए जिससे हम शत्रुओं को पराजित कर सकें, जिससे हम अपनी भूमि को उपजाऊ बना सकें, जिससे हम अज्ञानता के अंधकार को समाप्त कर सकें और अन्याय को दूर कर सके।

O God ! Get us such wealth by which we can defeat our enemies, make our land fertile, dispel the darkness of ignorance, and remove injustice.
(Rig Veda 6-20-1)

विगत दिवस भारी बारिश के बावजूद भी महिलाओं ने पूरे जोर शोर से गढ़ी कैंट क्षेत्र में गोदावरी थापली के पक्ष में जनसंपर्क किया।

क्रेडिट कार्ड अधिकारी बन ठगे लाखों रूपये

संवाददाता

देहरादून। क्रेडिट कार्ड अधिकारी बनकर दो लाख रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पौंधा निवासी आनन्द जयसवाल ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी और कॉल करने वाले ने उसको क्रेडिट कार्ड से सम्बन्धित जानकारी मांगी और अपने आपको अधिकारी बताया। जिसके बाद उसने सारी जानकारी उसको दे दी। बाद में उसको पता चला कि उसके क्रेडिट कार्ड से दो लाख 24952 रूपये निकाल लिये गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

युवती से मारपीट करने पर चार के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। युवती का रास्ता रोककर उसके साथ मारपीट कर घायल करने पर पुलिस ने चार अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्र विहार कालीदास रोड निवासी देवेन्द्र नैथानी ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी शाम को घुमने के लिए निकली तो एक स्कूटी व मोटरसाईकिल पर सवार चार युवको ने उसकी बेटी का रास्ता रोक कर गलत तरीके से वाहन चलाकर उसको परेशान करने लगे जब उसने उनका विरोध किया तो युवकों ने डण्डा मारकर उसको घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

यू-टयूब अधिकारी बन हजारों की ठगी

संवाददाता

देहरादून। यू-टयूब अधिकारी बनकार पीडित के अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर 63 हजार चार सौ रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धोवाला निवासी संदीप कुमार ने साइबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 28 जनवरी को उसके पास एक फोन आया और फोन करने वाले ने अपने आपको यू-टयूब का अधिकारी बताते हुए उसके व्हाट्स एप पर उसकी एक अश्लील फोटो भेजी। जिसके बाद उसको धमकी दी कि उसकी अश्लील फोट व्हाट्स एप व अन्य सोशली मीडिया प्लेटफार्म पर उसके वायरल कर दी जायेगी। जिसके बाद वह डर गया तथा उसने उक्त व्यक्ति को अपने एचडीएफसी बैंक खाते का कोर्ड बता दिया। जिसके बाद उसके खाते से 63 हजार चार सौ रूपये निकाल लिये गये। साइबर थाने के आदेश पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुकान का ताला तोडकर लाखों की चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान का ताला तोडकर वहां से हजारों की नगदी, लैपटाप हार्ड डिस्क सहित अन्य सामान चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जकराल गांव राजपुर निवासी आशुतोष तुलसीयान ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका कर्जन रोड में नारायणी इंटरप्राईसेस के नाम से आफिस है। उसने बताया कि गत दिवस वह आफिस बन्द करके गये थे लेकिन जब वह आज आफिस पहुंचे तो उन्होंने देखा कि आफिस का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान अस्त व्यस्त पडा था। चोर उसके यहां से 75 हजार रूपये नगद, लैपटाप, हार्ड डिस्क, नेटवर्क स्विच व मोडम चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बसंत पंचमी पर मां कालिका मन्दिर में गायत्री यज्ञ का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर आज सुबह 7.30 बजे मंदिर के पुजारी बिजेन्दर शास्त्री द्वारा विष्णु सहस्रनाम व गायत्री यज्ञ कराया गया। परम पूज्य महाराज श्री जी के साधना कक्ष में विराजमान राधा कृष्ण व शालिग्राम भगवान का विशेष अभिषेक परम पूज्य महाराज श्री जी की सद प्रेरणा द्वारा मंदिर के ट्रस्टीयों द्वारा किया गया। जिसमें दूध, दही, घी, बूरा, शहद, व वृन्दावन से लाया गया यमुना जल, से अभिषेक किया गया।

इस अवसर पर अपार भक्त समूह द्वारा श्री कृष्ण स्रोत, विष्णु सहस्रनाम का पाठ किया गया व समुचित भक्त समाज को आज लड्डू गोपाल जी व राधा कृष्ण के विग्रहो का अभिषेक होते हुए दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महाराज श्री जी की सदप्रेणा द्वारा सभी भक्तों को पीले रंग के रुमाल व तौलिये वितरण किए गए। जिसके बाद प्रमोद श्रीवास्तव व साथियों द्वारा भजन कीर्तन का कार्यक्रम किया गया। जिसमें अनेकों भजन गाकर सभी भक्त विभोर हो गए। तत्पश्चात सुबह 10 बजे ठाकुर जी की आरती हुई व पीले चावल व हलवा, खीर भक्तों को प्रसाद रूप में वितरण किया गया। 10.30 बजे मां कालिका धर्मार्थ औषधालय का 51 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिसमें मंदिर के समस्त डॉक्टर व स्टाफ मेंबर को उपहार भेंट व प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में आये संतो द्वारा प्रातः मां कालीका सत्संग भवन में सत्संग का कार्यक्रम किया गया, जिसमे भक्तों के कल्याण व सामाजिक कार्य, सतमार्ग पर चलने का मार्ग बताया गया। दोपहर डेढ़ बजे पर मंदिर समिति द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें संतों, ब्राह्मणों, भिक्षकों को भोजन के साथ जरूरत का सामान व दक्षिणा भी दी गई। शाम साढ़े सात से नौ बजे तक बसंत पंचमी के उपलक्ष में एक विशेष भजन संध्या कार्यक्रम किया गया, जिसमें मंदिर समिति द्वारा आमंत्रित किए गए करणपुर से श्री गोड़िया मठ मंदिर के कीर्तन मण्डली द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए। तत्पश्चात आरती हुई व प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर ट्रस्टी गगन सेठी, रमेश सहानी, दयाल धवन, जय किशन कक्कर,,प्रधान नरेश मैनी, अशोक लांभा, कमल स्वरुप जिंदल, शैंकी डोरा, उमेश मरवाह, सतीश कक्कर, अनिरुद्ध गुप्ता सहित कई लोग मौजूद रहे।

निराशाजनक रहे भाजपा के पांच सालः पवार

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के चुनाव प्रभारी, हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ओमवीर सिंह पवार ने आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कहां कि भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। इनका पांच साल का कार्यकाल बेहद निराशाजनक और जनविरोधी रहा है। जिस कारण प्रदेश में महंगाई-बेरोजगारी बढ़ी है। स्वास्थ्य सेवाएं 5 साल में जस की तस है जिसके कारण कोरोना काल में सैकड़ों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

उन्होने कहा कि भाजपा की अक्षम सरकार ने जनता को सही समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया नहीं कराई, जिसका खामियाजा प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ा। पवार ने राज्य की जनता से आव्हान किया कि वह कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें और कांग्रेस की सरकार बनाएं ताकि प्रदेश में खुशहाली आ सके, बेरोजगारी दूर हो सके, युवाओं को काम मिल सके, महंगाई पर अंकुश लगाया जा सके और प्रदेश में स्वास्थ्य विधाएं बेहतर हो सके ताकि किसी को जान माल की हानि न हो सके। उन्होंने कहा कि भाजपा की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और जल्द ही इसका परिणाम सबके सामने आएगा। इस अवसर पर पवार के साथ मुख्य रूप से और पूर्व राज्य मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष कुमार हरियाणा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता विक्रम सैनी, हरिद्वार कांग्रेस के नेता मुकेश कोरी, आंदोलनकारी नेता नरेंद्र सोठी आल, वरिष्ठ नेता नवीन नेगी समेत अन्य कार्यकर्ता व नेता उपस्थित थे।

आज का वोटर जागरूक है उसको बहलाना होगा मुश्किल !

संवाददाता

देहरादून। आज के युग का वोटर जागरूक है वह मुद्दों पर वोट देता है तथा उसको जात पात के नाम पर बहलाना बहुत मुश्किल होगा। अब तो जो आदमी उनके बीच का होगा और उनके दुख सुख में खडा दिखायी देगा और जिसके पास समाज के लिए कोई ठोस मुद्दे होंगे उसी की जीत सुनिश्चित मानी जा सकती है।

गौरतलब है कि पूर्व में नेता जनता को जात-पात नाम पर गुमराह कर दिया जाता था और विधायक या सांसद बन जाते थे। वहीं पुराने जमाने में एक वंशवाद भी चलता था कि मेरा दादा कांग्रेसी था तो मैं भी कांग्रेस को ही वोट व उसका समर्थन करूंगा या फिर मेरे पूर्वज आरएसएस में थे तो मैं भाजपा के साथ रहूंगा ऐसा चलता था और इसको नेता लोगों ने कई सदियों तक भुनाया भी। लेकिन समय के साथ सबकुछ बदलता चला गया और अब समय तो यह आ गया है कि एक घर मे ंचार भाई हैं तो चारों की विचारधारा अलग होगी और चारों अलग-अलग पार्टी के समर्थक होंगे। जब एक घर में विचारधारा एक नही हो सकती तो देश व प्रदेश में कैसे होगी। उसपर नब्बे प्रतिशत वोटर पढे लिखे हो गये हैं। वह अब जात पात से ऊपर उठ चुके हैं। क्षेत्रवाद व जातिवाद से उनको कोई सरोकार नहीं है। आज के मुद्दे भी बदल गये हैं। आज युवाओं के सामने रोजगार का मुद्दा अहम है। आज के युवाओं को बहलाना आसान नहीं है। आज के दौर में जनता को पांच साल का नेता नहीं चाहिए जोकि चुनाव जीतकर पांच साल तक किसी को दिखायी ही नहीं देता है। आज तो मतदाता को वह नेता चाहिए जोकि पूरे पांच साल उनके बीच रहकर उनके दुख सुख में उनके साथ खडा रहे और उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान करे। यही नहीं कि समस्या जस की तस बनी रहे और वह उसको वोट दे दें ऐसा अब नहीं है। आज के मतदाता पहले अपनी समस्याओं को देखते है उसके बाद नेता को। अब वह समय नहीं रह गया कि समस्या से ज्यादा अहमियत नेता को दी जाती थी। अभी हाल ही में राजधानी के एक गांव के बाहर बोर्ड लगा दिया गया है कि कोई भी प्रत्याशी उनके गांव में आकर वोट मांगकर शर्मिदा ना हो। क्योंकि उनकी समस्याओं का अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ है। यह नेताओं के लिए एक चेतावनी है कि अगर वह नहीं सुधरे तो अभी तो एक गांव है ऐसा ना हो कि आने वाले पांच साल बाद उनको हर गली मौहल्लों में ऐसे बोर्डो से दो चार होना पडे। इसलिए अब चुनाव मुद्दों पर होगा ना कि मात्र भाषणों पर आधारित होगा। आज का मतदाता बडा जागरूक हो गया है उसको बहलाना बहुत मुश्किल साबित होगा। आज के मतदाता को तो नेताओं को अपनी आगे की योजनाओं के बारे में बताना होगा और उन योजनाओं को वह कैसे पूरा करेंगे इस बारे में भी बताना होगा तभी जीत के लिए सुनिश्चित हो सकते हैं नहीं तो जनता इसका जवाब वोट से देगी।

सोशल मीडिया में आपत्तिजनक फोटो डालने के मामले में एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। फोन पर अभद्र मैसेज, गाली गलौच तथा सोशल मीडिया के जरिये आपत्तिजनक फोटो वायरल करने वाले आरोपी को पुलिस व एसओजी ने कल देर रात हिमांचल प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 18 जनवरी को पुलिस लाईन रोड कुमौड़ निवासी रमेश सिंह द्वारा कोतवाली पिथौरागढ़ में तहरीर देकर बताया गया था कि अजीत कुमार नाम के एक व्यक्ति द्वारा उनके मोबाइल फोन पर अभद्र बेइज्जती करने वाले शब्द, आपत्तिजनक फोटो, सोशल मीडिया के जरिये उनके फोटो को वायरल करना तथा फोन पर गाली गलौच की गयी है। जिसके कारण उन्हे मानसिक तनाव हुआ है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी अजीत कुमार की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में एसओजी को भी शामिल किया गया। जिसके बाद संयुक्त टीम द्वारा संर्विलांस की मदद से कल देर रात आरोपी अजीत कुमार पुत्र जगदीश चन्द्र निवासी ग्राम मिहारपुर हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है।

जाम में फंसी गर्भवति महिला को पुलिस ने सकुशल अस्पताल पहुंचाया

संवाददाता

देहरादून। बर्फबारी के बाद मसूरी में लगे जाम के दौरान एक गर्भवति महिला का वाहन जाम में फंस गया जिसको पुलिस ने रेस्क्यू कर सकुशल अस्पताल पहुंचाया।

कोतवाली प्रभारी मसूरी गिरिश चन्द शर्मा ने सम्पर्क करने पर बताया कि मसूरी में भारी बर्फवारी के कारण पूर्व से आये पर्यटकों व बर्फवारी के दौरान आने वाले नये पर्यटकों के वाहन काफी संख्या में सडकों में फंस गये थे। जिनमें काफी संख्या में महिलाएं व बच्चे भी थे।

उक्त वाहनों को थाना मसूरी पुलिस ने सडकों पर फंसे वाहनों को सावधानी पूर्वक अथक प्रयास करते हुए बामुश्किल रेस्क्यू कर वाहनों को सुरक्षित स्थानों तक निकाला गया। जेसीबी के माध्यम से सडके साफ करायी गयी तथा रात्रि साढे ग्यारह बजे तक सभी पर्यटकों को उनके गन्तव्यों तक सकुशल रवाना किया गया।

उक्त कार्यवाही से पर्यटकों को अधिक समस्या नहीं आयी। उन्होंने बताया कि इसी दौरान श्रीमति पिंकी पत्नी दीपक निवासी ग्राम तलोगी पोस्ट कैम्पटी टिहरी गढवाल जो प्रसव पीडित थी तथा इनका वाहन भारी बर्फवारी के कारण फंस गया था को चौकी कुलडी पर नियुक्त प्रदीप गिरी द्वारा स्थानीय लोगों की सहायता से सिविल अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर उनकी डिलीवरी करायी गयी वर्तमान में महिला व बच्चा सकुशल है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पैरों से नहीं जा रही खुजली तो आजमाए ये घरेलू उपाय

सर्दियों का मौसम आते-आते हमारे शरीर में कई तरह की समस्याएं आने लगती है। इनमे से एक पैरों के निचले हिस्से में खुजली होना भी शामिल है। जी दरअसल यह समस्या एक बार हो जाए तो पीछा नहीं छोड़ती और इस समस्या के चलते बहुत परेशानी होती है। आइए जानते हैं इन नुस्खों के बारे में।

नारियल का तेल- नारियल का तेल बहुत बेहतरीन है। जी हाँ और यह स्किन के लिहाज से न्यूट्रिएंट्स से भरा होता हैं। यह बड़ा फायदेमंद हैं और इसके लिए आप हर रोज एक चम्मच नारियल के तेल से पैरों के निचले हिस्से में तब तक मालिश करें, जब तक तेल पूरी तरह से सूख न जाएं।

एलोवेरा जेल- यह स्किन के लिए बेस्ट केयर टेकर है। जी हाँ और इसके लिए आप जेल को उस जगह पर लगाएं जहां पर खुजली की प्रॉब्लम है। करीब आधे घंटे के बाद इसे पानी से धो दें। अगर आप अच्छा रिजल्ट पाना चाहते हैं तो इसके लिए इसे पैरों के निचले हिस्से में कम से कम दो बार लगाएं।

नींबू- यह कई बीमारियों को ठीक करने का खजाना है। वैसे इसका इस्तेमाल करने के लिए नींबू के रस को खुजली वाली जगह पर लगाने के बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह खुजली में आराम दिलाने का काम करता है।

नमक- नमक में कई न्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं जो पैरों की खुजली को कम करते हैं। जी दरअसल यह पैरों के फंगस को भी खत्म करने में मदद करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप एक टब में गुनगुना पानी डाले और उसमें नमक मिलाएं। उसके बाद टब में पैरों को डालकर 15-2० मिनट तक बैठ जाएं फिर साफ तैलिए से पोछ लें। अंत में पैरों में मॉइश्चराइजर लगा लें।

कुकिंग ऑयल खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान, होगा सही चयन

आजकल मार्केट में कई तरह के कुकिंग ऑयल मौजूद है, इसलिए लोग हमेशा इस बात को लेकर असमंजस में रहते हैं कि खाने के लिए कौन से तेल का इस्तेमाल करना बेहतर है या फिर कौन सा तेल स्वास्थ्यवर्धक है? अगर आपको भी ऐसे ही सवालों से दो चार होना पड़ता है तो अब ऐसा नहीं होगा। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी बातें बताते हैं, जिन्हें अगर ध्यान में रखकर कुकिंग ऑयल खरीदा जाए तो उसका सही चयन होगा।

जब भी आप कुकिंग ऑयल खरीदने जाएं तो इसके लेबल को पहले थोड़ा ध्यान से पढ़ें। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि कुछ लोग बिना लेबल पढ़े ही कुकिंग ऑयल खरीद लेते हैं लेकिन ऐसा करना गलत है। दरअसल, कुछ कंपनियां कुकिंग ऑयल में मिलाई जाने वाली सामग्रियों और शुद्धता आदि की जानकारी पैकेट के ऊपर ही बहुत छोटे अक्षरों में दे देती है, इसलिए हमेशा लेबल पढ़ने के बाद कुकिंग ऑयल खरीदें।

कोई भी कुकिंग ऑयल खरीदते समय इस बात पर खास ध्यान दें कि उसमें ओमेगा 3 और ओमेगा 6 का रेशियो कैसा है। बेहतर होगा कि आप ऐसा कुकिंग ऑयल खरीदें, जिसमें ओमेगा-3 और ओमेगा-6 के बीच 1:2 का रेश्यो हो क्योंकि इन्हें सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। बता दें कि सरसों के तेल, कनोला ऑयल, ऑलिव ऑयल और सोयाबीन के तेल आदि में ओमेगा 3 और ओमेगा 6 का यहीं रेशियो होता है।

ओमेगा 3 और ओमेगा 6 के साथ ही कुकिंग ऑयल में मौजूद ट्रांस फैट की मात्रा पर भी ध्यान देना जरूरी है। बता दें कि जीरो ट्रांस फैट से युक्त कुकिंग ऑयल का इस्तेमाल करना बेहतर है। अगर किसी कुकिंग ऑयल की पैकिंग पर ट्रांस फैट के बारे में नहीं लिखा हुआ है तो उसे खरीदने से बचें। इसके अलावा. कुकिंग ऑयल पर नॉन हाइड्रोजिनेटिड और नॉन पीएचवीओ भी लिखा हो।

कई लोग सहूलियत और बचत के लिहाज से एक बार में अधिक मात्रा में कुकिंग ऑयल खरीद तो लेते हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। दरअसल, कुकिंग ऑयल की भी एक्सपायरी डेट होती है। सील खुलने के बाद कुकिंग ऑयल को दो से तीन महीने में ही खत्म कर देना चाहिए। ध्यान रखें कि जब कुकिंग ऑयल खराब होने लगते हैं तो उनका स्वाद और रंग बदल जाता है। भले ही आप खाने के लिए किसी भी कुकिंग ऑयल का इस्तेमाल करें, लेकिन इसकी मात्रा पर खास ध्यान दें। एक दिन में कम से कम तीन चम्मच यानी 2० मिली कुकिंग ऑयल का इस्तेमाल करना बेहतर माना जाता है।

शब्द सामर्थ्य -114

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. याद, स्मरण 3. अग्नि, आग, पवित्र करने वाला 6. गौ जाति का नर 8. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 10. मुस्कुराहट, तबस्सुम 11. खारा, नमक के स्वाद जैसा 14. मुख्यभाग, निचोड़ 16. पिंडली व एड़ी के बीच की दोनों ओर उभरी हड्डी, गुल्फ 18. अद्भूत, विचित्र 21. सम्राट, बादशाह, नरेश 22. कृति, निर्माण करना, बनाना 23. बड़ी थाली 24. समूह, दल 26. एहसानमंद, कृतज्ञ 27. ध्वनि, सदा 28. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर।

ऊपर से नीचे

2. अपमान, अनादर, अवज्ञा 3. जल, नीर, अम्बु 4. वाणी, वादा, कथन 4. कर्म शब्द का अपभ्रंश, भाग्य 7. लकड़ी का घूमने वाला एक गोल खिलौना, बिजली का बल्ब 9. लोग, प्रजा 10. यात्री, राही, पथिक 12. कीड़ा 13. चोचला, अदा 15. दंड 17. अवैध, अनुचित 18. जो आधिकारिक न हो, जो अधिकार प्राप्त न हो 19. जैसा होना चाहिए ठीक वैसा, सत्यपरक, वाजिब 20. ताकत, शक्ति 24. प्रश्न, समस्या 25. घटना, घटना का वर्णन 26. एक प्रसिद्ध पक्षी जो रात में विचरण करता है, लक्ष्मीजी की सवारी 27. पानी, चमक।

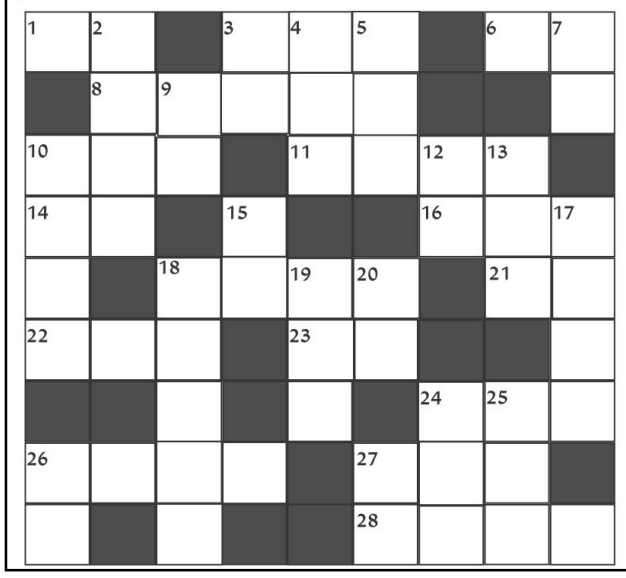

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 113 का हल

टे	ढ़ा	मे	ढ़ा	■	म	हा	र	त
क	■	ह	■	■	■	■	ज	न
■	जा	न	की	■	क	म	नी	य
■	■	त	म	क	ना	■	■	■
म	■	■	त	ह	त	■	दा	ब
सी	मा	■	■	ला	■	स	न	द
हा	थ	म	ल	ना	■	वा	■	च
■	■	द	■	■	घा	ल	मे	ल
■	ब	द	ह	वा	स	■	■	न

अजय देवगन की डेब्यू सीरीज रुद्र का ट्रेलर रिलीज, एक्शन में दिखे अभिनेता

पिछले साल अप्रैल में अजय देवगन ने अपनी डेब्यू वेब सीरीज रुद्र- द एज ऑफ डार्कनेस का ऐलान किया था। यह ब्रिटिश टीवी सीरीज लूथर की हिन्दी रीमेक है, जिसके जरिए अजय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू करेंगे। अब मेकर्स ने इस सीरीज का ट्रेलर जारी कर दिया है। जैसा कि अजय अपनी फिल्मों में भरपूर एक्शन में दिखते हैं; इस सीरीज के ट्रेलर में भी उनका यही अंदाज उभर कर सामने आया है।

अजय ने अपने ट्विटर हैंडल पर सीरीज का ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने अपने ट्विटर पोस्ट में लिखा, प्रकाश और अंधेरे के बीच की रेखा...जहां पर मैं रहता हूं। रुद्र जल्द आ रहा है डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर। इस सीरीज में अजय के साथ ईशा देओल, राशि खन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार नजर आएंगे। सीरीज का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट द्वारा बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से किया गया है।

ट्रेलर में अजय एक पुलिस वाले के किरदार में नजर आए हैं। इस अभिनेता का इंटेंस और ग्रे अवतार आपको शो देखने के लिए प्रेरित करेगा। अजय इस सीरीज में डीसीपी रुद्र सिंह का रोल करेंगे। राशि खन्ना उनकी दोस्त के किरदार में नजर आएंगी, जबकि ईशा को उनकी पत्नी के किरदार में देखा गया है। इस शो में अजय फिर एक मिशन पर दिखाई दिए हैं, जिनके कंधे पर शातिर अपराधियों को पकड़ने की जिम्मेदारी है।

ट्रेलर में सभी कलाकारों की एंट्री दमदार तरीके से हुई है। इसमें अजय को एक हीरो के रूप में दिखाया गया है। हमेशा की तरह वह अपने गंभीर अंदाज में दिखे हैं। इसकी कहानी क्या होगी; यह तो सीरीज देखने के बाद ही पता चल पाएगा। इतना जरूर है कि इसमें भरपूर एक्शन और सस्पेंस देखने को मिलेगा। सोशल मीडिया पर भी ट्रेलर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फैंस अजय के इस नए अवतार की खूब तारीफ कर रहे हैं।

रुद्र ब्रिटिश साइकोलॉजिकल क्राइम ड्रामा सीरीज लूथर की हिन्दी रीमेक है। नील क्रॉस की अंग्रेजी सीरीज में इदरिस एल्बा ने डीसीआई जॉन लूथर का रोल निभाया है, जबकि अभिनेत्री एलिस मोर्गन इसमें रूथ विल्सन की भूमिका में थीं। हिन्दी रीमेक में यह किरदार राशि निभाएंगी। इस सीरीज के अभी तक पांच सीजन आ चुके हैं, जिन्हें दर्शकों से खूब प्यार मिला। हिन्दी रीमेक की कहानी को मेट्रो शहर और हिन्दुस्तानी परिवेश के हिसाब से बनाया गया है।

अपनी सेहत का ख्याल रखने घंटो वर्कआउट करती है भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड की कई मूवीज में अपनी एक्टिंग का जलवा दिखा चुकी एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हमेशा ही अपने फैंस को फिटनेस गोल देती नज़र आती रहती है। वह सोशल मीडिया पर हमेशा अपने वर्कआउट की फोटोज भी साझा करती रहती है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर वर्कआउट के उपरांत की एक फोटोज साझा की है। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इस तस्वीर में भूमि का बहुत ही नेचुरल लुक दिखाई दे रहा है। उन्होंने येलो स्पोर्ट्स टी और ब्लैक ट्राउजर पहना है। इस तस्वीर में भूमि के चेहरे पर उनके वर्कआउट का ग्लो साफ दिखाई दे रहा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई अपनी तस्वीर में भूमि पेडनेकर अपने एब्स फ्लॉन्ट करती हुई नज़र आ रहे है। अपने वर्कआउट की फोटोज को साझा करने के साथ ही भूमि ने कैप्शन में सिर्फ ओके लिखा और साथ ही नींद वाला इमोजी भी साझा कर दी है। वर्कफ्रंट के बारें में बात करें तो भूमि ने बॉलीवुड में अब तक कई मूवीज कर ली है, वह इस वर्ष भी अपनी 2 मूवी बधाई दो, और रक्षाबंधन में नज़र आने वाली है.

अपने पति वरुण की तरह बिजी रहना चाहती है नताशा

अभिनेता वरुण धवन और उनकी दुल्हनिया नताशा दलाल बॉलीवुड इंडस्ट्री के पॉवर कपल में से एक कहे जाते है। भले ही नताशा लाइमलाइट से दूरी बनाकर चलती है, लेकिन वरुण संग अपने बॉन्ड को लेकर हमेशा ही चर्चाओं में आ ही जाती है। हाल ही में उन्होंने मीडिया के साथ एक साक्षत्कार में खुलासा किया कि वो वरुण के विवाह के उपरांत शहर की बहुत चर्चाओं में हैं लेकिन वो इस सबके इतर अपनी एक अगल पहचान बनाना चाह रही है।

नताशा दलाल ने कहा है कि अपना खुद का व्यक्तित्व होना बहुत अहम् है। ये आपको जमीनी स्तर पर केंद्रित करता है और मैं खुद को वरुण की तरह व्यस्त रखने के बारें में सोच रहीं हूँ। अपनी बात को जारी रखते हुए नताशा ने आगे बोला है कि उन्हें लोगों की नजरों में रहना परेशान नहीं करता। मैंने महसूस किया है कि ये एक ऐसी चीज है, जिसका इस्तेमाल आप अच्छी चीजों में कर सकते हैं। उन्होंने आगे बताया है कि, वो अद्भुत है और मैं जो कुछ भी करती हूं उसमें मेरा समर्थन कर रही हूँ।

विवाह से पहले वरुण और नताशा एक दूसरे को काफी लंबे वक्त से डेट कर रहे थे। हाल ही में कपल ने अपनी फर्स्ट वेडिंग एनिवर्सरी मनाई की। वर्कफ्रंट के बारें में बात करें तो वरुण जल्द ही राज मेहता की फिल्म जुग जुग जीयो में दिखाई देने वाले है। इस रोमांटिक ड्रामा में वरुण कियारा आडवाणी के साथ लीड़ किरदार निभाते हुए दिखाई देने वाले है।

अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की बायोपिक में लीड रोल निभाएंगे फरहान अख्तर

अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा के जीवन पर बनने वाली बायोपिक फिल्म की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में अलग प्रकार का उत्साह भी है। इस फिल्म को सिद्धार्थ रॉय कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म के साथ शाहरुख खान और विक्की कौशल जैसे कई बड़े कलाकारों का नाम जुड़ चुका है। अब खबर सामने आ रही है कि इस फिल्म में दिग्गज अभिनेता फरहान अख्तर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

रिपोर्ट की मानें तो राकेश की बायोपिक में फरहान लीड रोल में नजर आएंगे। वह अंतरिक्ष यात्री राकेश का किरदार पर्दे पर निभाएंगे। इस फिल्म का टाइटल सैल्यूट- सारे जहां से अच्छा बताया गया है। फिल्म के प्रोड्यूसर सिद्धार्थ ने खुद इंटरव्यू में फरहान के नाम पर अपनी मुहर लगाई है। उन्होंने कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि बायोपिक में अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा की भूमिका में फरहान हैं।

सिद्धार्थ ने आगे बताया, जब हम शूटिंग शुरू करेंगे, तब इस प्रोजेक्ट की घोषणा करेंगे। सिद्धार्थ ने अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में भी बातचीत की है। उन्होंने कहा, हमारे पास पिप्पा (ईशान खट्टर और मृणाल ठाकुर) पाइपलाइन में है। इसकी तीन महीने की शूटिंग बाकी है। इस साल के बाद इस फिल्म को रिलीज किया जाएगा। वो लड़की है कहां (तापसी पन्नू और प्रतीक गांधी) की अभी शूटिंग चल रही है।

राकेश की बायोपिक एक ऐसी फिल्म रही है, जिसके लिए कई बार कास्ट में बदलाव किया गया। रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग पिछले साल सितंबर में शुरू होनी थी, लेकिन शाहरुख अपनी डेट्स नहीं दे पाए। डेट्स नहीं होने के कारण वह इस फिल्म से भी बाहर हो गए। इस फिल्म के साथ आमिर खान का भी नाम जुड़ा। राकेश की पत्नी का किरदार निभाने के लिए भी कई टॉप अभिनेत्रियों को अप्रोच किया गया था।

राकेश शर्मा को भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री होने का सौभाग्य है। उनका जन्म पंजाब के पटियाला में 13 जनवरी, 1949 को हुआ था। 3 अप्रैल, 1984 को राकेश अंतरिक्ष में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। दुनिया के 138वें अंतरिक्ष यात्री राकेश भारतीय वायु सेना में विंग कमांडर के पद से रिटायर हुए हैं। उन्होंने करीब 8 दिन अंतरिक्ष में समय बिताया था। इतना ही नहीं, उन्होंने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भी हिस्सा लिया था।

फरहान अपने कई फिल्मों के प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। वह फिल्म युध्रा का निर्माण कर रहे हैं, जिसमें सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ मालविका मोहनन नजर आएंगी। इस फिल्म को रवि उद्यावर निर्देशित करेंगे। वह गुरमीत सिंह की फिल्म फोन भूत को लेकर भी सुर्खियों में हैं। रितेश सिधवानी और फरहान मिलकर इस फिल्म का निर्माण करेंगे। शर्माजी नमकीन के निर्माण की जिम्मेदारी भी फरहान के कंधों पर होगी।

लम्बे समय बाद परदे पर कॉमेडी करेंगे संजय दत्त और सुनील की जोड़ी

सुनील शेट्टी और संजय दत्त के फैंस के लिये एक बड़ी खबर भी सामने आ चुकी है. बात ऐसी है कि बहुत लंबे वक़्त के उपरांत बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकार पर्दे पर एक साथ देखे जाने वाले है. सुनील शेट्टी और संजय दत्त रील लाइफ में जितने अच्छे को-स्टार हैं. रियल लाइफ में उतने ही क्लोज फ्रेंड भी हैं. करीब एक दशक बाद इन्हें फिर से साथ देखना बहुत दिलचस्प होने वाला है.

कांटे और दस जैसी मूवी में हम सुनील शेट्टी और संजू बाबा की एक्टिंग का कमाल भी देखने के लिए मिल चुका है. काफी समय से मूवी के दीवाने इस जोड़ी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए इंतज़ार कर रहे है. पर अब टेंशन वाली बात नहीं है.

रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों ही स्टार समीर कार्णिक द्वारा निर्देशित एक कॉमेडी मूवी में सबको हंसाते हुए नज़र आने वाले है.

इस बात का खुलासा किसी और ने नहीं, बल्कि खुद सुनील शेट्टी ने कर दिया है . उन्होंने कहा है कि मुझे खुशी है कि बाबा और मैं वर्षों के उपरांत मूवी के लिये टीम बनाने के लिए काम कर रही है. स्क्रिप्ट शानदार है. दर्शकों ने पर्दे पर हमें माचो (मर्दाना) कैरेक्टर निभाते देख चुके है. पर इस बार हम कॉमेडी को सामने ला रहे हैं. सुनील शेट्टी की बातों से पता चल रहा है कि वो अपकमिंग फिल्म को लेकर सुपर एक्साइटेड हैं.

सुनील शेट्टी का बोलना है कि है कि मूवी में उनका और संजय दत्त का रियल बॉन्ड दिखाई देने वाला है. जैसे वो रियल लाइफ में मस्ती-मजाक करते हुए नज़र आने वाले है. ठीक उसी तरह पर्दे पर भी लोगों को अपनी केमिस्ट्री से गुदगुदाते नज़र आने वाले है. जिसके पूर्व सुनील शेट्टी और संजय दत्त की जोड़ी को कई एक्शन मूवी में साथ काम करते देखा जा चुका है. देर से ही सही, लेकिन सुनील शेट्टी और संजय अपने फैंस कॉमेडी का सरप्राइज देने के लिये रेडी हैं.

इमरान और बी प्राक के साथ काम करना सपना सच होने जैसा: सहर बाम्बा

इमरान हाशमी पर फिल्माए गए गानें अक्सर दर्शकों की कसौटी पर खरे उतरते हैं। अब फिर इमरान अपना नया म्यूजिक वीडियो दर्शकों के बीच ला रहे हैं। गाने को लेकर दर्शक इसलिए भी उत्साहित हैं, क्योंकि इसके सिंगर तेरी मिट्टी और फिलहाल जैसे सुपरहिट गाने गा चुके बी प्राक हैं। अब इसमें इमरान की जोड़ीदार भी उन्हें मिल गई है। उनके साथ म्यूजिक वीडियो में अभिनेत्री सहर बाम्बा नजर आएंगी।

इमरान अपने नए म्यूजिक वीडियो में सहर बाम्बा के साथ इश्क फरमाते दिखेंगे। दोनों ने पहली बार एक-दूसरे से हाथ मिलाए हैं। इमरान को उम्मीद है कि सहर के साथ उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आएगी। सहर ने भी इस खबर की पुष्टि कर दी है। उन्होंने कहा, इमरान और बी प्राक के साथ काम करना मेरे लिए एक सपना सच होने जैसा था। आपको बता नहीं सकती कि मैं इस गाने को लेकर कितनी उत्साहित हूं।

सहर ने आगे कहा, मैं सातवें आसमान पर थी, जब मुझे इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव मिला था। मैं बी प्राक के म्यूजिक की बहुत बड़ी फैन रही हूं। मैं नॉनस्टॉप उनके गाने सुना करती थी। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला कि बी प्राक के म्यूजिक वीडियो के लिए मुझसे संपर्क किया गया है और इसमें मेरी जोड़ी इमरान हाशमी के साथ बन रही है, मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। दोनों के साथ काम करना एक मजेदार अनुभव रहा।

बात करें सहर बाम्बा की तो वह एक मॉडल और अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत सनी देओल के बेटे करण देओल के साथ की थी। दोनों ने 2019 में फिल्म पल पल दिल के पास से बॉलीवुड में आगाज किया था।

इमरान ने एक इंटरव्यू में कहा था, करीब तीन साल पहले जब मैं अपनी कार में सफर कर रहा था, तब मैंने बी प्राक का गाना मन भरेया सुना था। मुझे इस गाने से प्यार हो गया था। जब मुझे उनके नए गाने के बारे में बताया गया तो मैंने तुरंत हां कह दिया। बी प्राक ने कहा, मैं हमेशा से ही इमरान के साथ गाना करना चाहता था, क्योंकि वह एक हिट मशीन और रोमांटिक म्यूजिक के किंग हैं।

इससे पहले इमरान को सिंगर जुबिन नौटियाल के म्यूजिक वीडियो लुट गए में देखा गया था, जो सुपर-डुपरहिट हुआ था। इमरान ने ट्विटर पर लिखा था, लुट गए 2021 में यूट्यूब इंडिया पर नंबर वन देखा जाने वाला म्यूजिक वीडियो बन गया है। 1 अरब से भी अधिक लोगों ने इसे देखा है। यह गाना 17 फरवरी, 2021 को टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया था। इसमें इमरान अभिनेत्री युक्ति थरेजा के साथ नजर आए थे।

बसंत पंचमी का इतिहास, महत्व और मान्यताएं

कु. कृतिका खत्री

प्रस्तावना – माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को देवी सरस्वती का अवतरण हुआ था। इसलिए इस दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है। इस दिन को सरस्वती और लक्ष्मी देवी का जन्म दिवस भी माना जाता है। इस पंचमी को बसंत पंचमी कहा जाता है क्योंकि बसंत पंचमी के दिन से ही वसंत ऋतु का आगमन होता है, जो सभी ऋतुओं का राजा होता है। हिंदू धर्म में बसंत पंचमी मनाने को लेकर कई मान्यताएं हैं। बसंत ऋतु और बसंत पंचमी का महत्व भी अलग है। इस वर्ष बसंत पंचमी 5 फरवरी अर्थात माघ शुक्ल पंचमी को है। आइए जानें बसंत पंचमी का इतिहास, महत्व और मान्यताएं...

तिथि, इतिहास और उत्सव की विधि – बसंत पंचमी माघ माह की शुक्ल पंचमी के दिन मनाई जाती है। कहा जाता है कि इसी दिन कामदेव मदन का जन्म हुआ था।लोगों का दांपत्य जीवन सुखमय हो इसके लिए लोग रतिमदन की पूजा और प्रार्थना हैं। देवी सरस्वती का जन्म बसंत पंचमी को हुआ था; इसलिए उस दिन उनकी पूजा की जाती है, और इस दिन को लक्ष्मी जी का जन्मदिन भी माना जाता है; इसलिए इस तिथि को %श्री पंचमी% भी कहा जाता है। इस दिन सुबह अभ्यंग स्नान किया जाता है और पूजा की जाती है। बसंत पंचमी पर, वाणी की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा और प्रार्थना का बहुत महत्व है। ब्राह्मण शास्त्रों के अनुसार, वाग्देवी सरस्वती ब्रह्मस्वरूप, कामधेनु और सभी देवताओं की प्रतिनिधि हैं। वह विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी और अनंत गुण शालिनी देवी सरस्वती की पूजा और आराधना के लिए माघ मास की पंचमी तिथि निर्धारित की गई है। इस दिन को देवी के रहस्योद्घाटन का दिन माना जाता है। इस दिन मां सरस्वती का आह्वान कर कलश की स्थापना की जाती है और उसकी पूजा की जाती है।

देवी सरस्वती पृथ्वी पर अवतरित हुईं – जब ब्रह्मांड के निर्माता ब्रह्माजी ने जीवों और मनुष्यों की रचना की। और जब उन्होंने सृजित सृष्टि को देखा, तो उन्होंने महसूस किया कि यह निस्तेज है। वातावरण बहुत शांत था तथा उसमें कोई आवाज या वाणी नहीं थी। उस समय, भगवान विष्णु के आदेश पर, ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। धरती पर गिरे जल ने पृथ्वी को कम्पित कर दिया तथा एक चतुर्भुज सुंदर स्त्री एक अद्भुत शक्ति के रूप में प्रकट हुई। उस देवी के एक हाथ में वीणा दूसरे हाथ में मुद्रा तथा अन्य दो हाथों में पुस्तक व माला थी। भगवान ने महिला से वीणा बजाने का आग्रह किया। वीणा की धुन के कारण पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों, मनुष्यों को वाणी प्राप्त हुई। उस क्षण के बाद, देवी को सरस्वती कहा गया। देवी सरस्वती ने वाणी सहित सभी आत्माओं को ज्ञान और बुद्धि प्रदान की। ऐसा माना जाता है कि इस पंचमी को सरस्वती की जयंती के रूप में मनाया जाता है क्योंकि यह घटना माघ महीने की पंचमी को हुई थी। इस देवी के वागेश्वरी, भगवती, शारदा, वीणा वादिनी और वाग्देवी जैसे अनेक नाम हैं। संगीत की उत्पत्ति के कारण, उन्हें संगीत की देवी के रूप में भी पूजा जाता है। बसंत पंचमी के दिन ज्ञान और बुद्धि देने वाली देवी सरस्वती की पूजा की जाती है।

देवी सरस्वती की पूजा करने की पद्धति – बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती देवी की उपासना की जाती है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की पूजा व्यक्तिगत रूप से करने का वर्णन है; लेकिन वर्तमान में सार्वजनिक पूजा स्थलों पर देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने की प्रथा शुरू हुई है। चूंकि यह ज्ञान का त्योहार है, इसलिए छात्र शिक्षण संस्थान को सजाते हैं। विद्यारंभ संस्कार के लिए यह सबसे अच्छा दिन है।

नए कार्य के लिए शुभ दिन – बसंत पंचमी का दिन सभी प्रकार के शुभ कार्यों के लिए बहुत ही शुभ माना गया है। पुराणों में भी बसंत पंचमी को मुख्य रूप से नई शिक्षा और गृह प्रवेश के लिए बहुत ही शुभ माना गया है। बसंत पंचमी को शुभ मानने के अनेक कारण हैं। यह त्योहार आमतौर पर माघ महीने में आता है। माघ मास का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। इस महीने तीर्थ क्षेत्र में स्नान का विशेष महत्व माना गया है।

सूर्य मंदिर में वसंतोत्सव – बिहार राज्य के औरंगाबाद जिले में %देव% नामक गांव है, इस गांव के सूर्य मंदिर में देवता की मूर्ति को बसंत पंचमी के दिन स्थापित किया गया था ऐसा माना जाता है। इस दिन देवता को स्नान कराया जाता है तथा उनके पुराने कपड़े बदलकर, उन्हें नए लाल कपड़े पहनाए जाते हैं। भक्त इस दिन गीत, संगीत और नृत्य कर उत्सव मनाते हैं।

ग्रोथ का बजट

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव करीब हैं, इसलिए यह आम सोच थी कि बजट लोकलुभावन होगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस सोच को गलत साबित किया है। बजट का फोकस सरकारी खर्च बढ़ाकर आर्थिक विकास दर तेज करने पर है, जिसकी जरूरत भी थी। इसलिए यह ग्रोथ का बजट है, बोल्ड बजट है। सरकार ने वित्त वर्ष 2023 में कैपिटल एक्सपेंडिचर में 35.4 फीसदी की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा है। यह बहुत बड़ा फैसला है, लेकिन इससे महंगाई दर बढ़ेगी। वित्त मंत्री ने वित्त वर्ष 2023 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 6.4 फीसदी रखा है, जो इससे पिछले साल में 6.8 फीसदी रहा। यह भी ठीक है। अभी आर्थिक रिकवरी को मजबूत बनाने की जरूरत है, इसलिए आने वाले वर्षों में राजकोषीय घाटे को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है। पीएम गति शक्ति के जरिये वित्त मंत्री ने इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ाने का एलान किया। यह भी अच्छा कदम है।

सरकार कुछ समय से पीएलआई स्कीम के जरिये 14 क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा दे रही है। यह आत्मनिर्भर भारत के अजेंडा के साथ निर्यात बढ़ाने में भी कारगर हुआ है। रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर भारत के अजेंडा को सरकार ने आगे बढ़ाया है। वित्त मंत्री ने बजट में क्रिप्टोकरंसी पर भी निवेशकों की उलझन दूर कर दी। उन्होंने इससे हुए मुनाफे पर 30 फीसदी टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा। वित्त वर्ष 2023 में रिजर्व बैंक डिजिटल करंसी लाएगा, इसका ऐलान भी निर्मला सीतारमण ने किया। इन दोनों बातों से लगता है कि सरकार ने क्रिप्टोकरंसी को एक एसेट तो मान लिया है, लेकिन वह इन्हें बढ़ावा नहीं देना चाहती। पर्सनल इनकम टैक्स की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया, वैसे, अगर इसमें राहत दी गई होती तो उससे खपत बढ़ाने में मदद मिलती।

खासतौर पर यह देखते हुए कि हाल के वर्षों में मध्य वर्ग की आय में भी कमी आई है और आर्थिक असमानता भी बढ़ी है। यहां तक कि समृद्ध तबके को भी लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस टैक्स पर सरचार्ज घटाकर राहत दी गई है। निम्न-मध्यम आय वर्ग के लिए हाउसिंग सेक्टर में सौगात दी गई है। कृषि क्षेत्र के लिए एमएसपी पर रेकॉर्ड खरीद की बात वित्त मंत्री ने की, लेकिन किसी और राहत का एलान नहीं किया। विनिवेश के लिए भी लक्ष्य 65 हजार करोड़ का ही रखा गया है, जो कम है, लेकिन इस मामले में सरकार के खराब रेकॉर्ड को देखते हुए ठीक लगता है। वित्त मंत्री ने इस मामले में यह जरूर कहा कि कुछ महीनों में एलआईसी का आईपीओ आएगा। इधर, रोजगार का मुद्दा भी राजनीतिक रंग ले रहा है। इस मामले में बजट को देखकर लगता है कि सरकार कैपिटल एक्सपेंडिचर से बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होने की उम्मीद कर रही है। कुल मिलाकर, सरकार ने बजट के साथ एक रिस्क लिया है। देखना होगा कि यह कैसा रिटर्न देता है।(आरएनएस)

सू- दोकू क्र.114

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.113का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

अदालत की मंशा स्थाई व्यवस्था बने

अनूप भटनागर

राजीव गांधी सरकार के कार्यकाल में वर्ष 1985 में देश में पहली बार बनाया गया दल बदल कानून विवादों के निपटारे में अत्यधिक विलंब की वजह से अपनी प्रासंगिकता खो रहा है। दसवीं अनुसूची के तहत बने इस कानून के अभी तक के अनुभव और दल बदल के खिलाफ याचिकाओं के निपटारे के मामले में अध्यक्षों की भूमिका के परिप्रेक्ष्य में अब इसमें व्यापक संशोधन करने और ऐसे विवादों को सुलझाने के लिए एक स्थाई न्यायाधिकरण की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

सदन का अध्यक्ष भी चूंकि राजनीतिक दल का ही सदस्य होता है, इसलिए दल बदल संबंधी विवादों के निष्पादन में निष्पक्षता की कमी महसूस होती है। इस बाबत शीर्ष अदालत ने दो साल पहले सुझाव दिया था कि संसद को दसवीं अनुसूची के तहत ऐसे विवादों के निपटारे की जिम्मेदारी अर्द्ध न्यायाधिकरण के रूप में अध्यक्षों को सौंपने के प्रावधान पर नये सिरे से विचार करना चाहिए।

इसकी एक प्रमुख वजह दल बदल करने वाले सांसदों और विधायकों को संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत बने कानून के तहत अयोग्य घोषित करने की याचिकाओं के निपटारे के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं होने की वजह से अध्यक्ष द्वारा ऐसे मामलों में फैसला करने में अत्यधिक विलंब भी है। इस संबंध में तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मणिपुर सहित अनेक विधान सभा अध्यक्षों के समक्ष लंबित ऐसे मामलों का उदाहरण दिया जा सकता है।

राज्यों की विधान सभाओं में दल बदल करने वाले सदस्यों को अयोग्य घोषित करने के लिए मूल राजनीतिक दल की याचिकाओं पर निपटारे में अत्यधिक विलंब की वजह से कई बार ये मामले सर्वोच्च अदालत तक पहुंचे। शीर्ष अदालत ने पिछले साल जुलाई में ही एक मामले में दल बदल कानून के तहत लंबित याचिकाओं के निपटारे के लिए समय सीमा और दिशा-निर्देश प्रतिपादित करने से इंकार कर दिया था। न्यायालय का स्पष्ट मत था कि यह काम संसद का है और उसे ही इस पर विचार करना होगा। यही नहीं, कर्नाटक विधान सभा में हुए दल बदल से संबंधित मामले में 2019 में शीर्ष अदालत ने बहुत ही स्पष्ट शब्दों में कहा था कि सदन का अध्यक्ष अगर तटस्थ रहने का संवैधानिक दायित्व नहीं निभा सकता है तो वह इस पद के योग्य नहीं है।

संसद और विधानमंडल में निर्वाचित सदस्यों की आया राम-गया राम की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए 1985 में संविधान में संशोधन कर दल बदल कानून बनाया गया था। इस कानून में हालांकि, कुछ संशोधन भी किए गए लेकिन इसके बाद भी सदन में पाला बदलने वाले सांसदों और विधायकों के बारे निर्णय का अधिकार पूरी तरह से अध्यक्ष के पास ही था। ऐसे मामलों के निपटारे में हो रहे विलंब का ही नतीजा था कि 21 जनवरी, 2020 को सर्वोच्च अदालत ने सुझाव दिया कि संसद को दल बदल कानून के तहत सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित विवाद सुलझाने के लिए संविधान में संशोधन करके एक स्थाई न्यायाधिकरण की स्थापना करने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

न्यायालय का विचार था कि संसद को दल बदल करने वाले सदस्य के मामले में फैसला करने का अधिकार एक अर्द्ध-न्यायाधिकरण के रूप में अध्यक्ष को सौंपने संबंधी व्यवस्था पर पुनर्विचार करना चाहिए। दरअसल, ऐसे विवाद का निपटारा करते समय भी अध्यक्ष एक राजनीतिक दल विशेष का ही सदस्य होता है।

इसकी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए न्यायाधिकरण का अध्यक्ष शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश को बनाने का प्रावधान किया जा सकता है।

दरअसल, आज जहां दल बदल करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों के मामले में फैसला होने में अत्यधिक समय लग रहा है तो दूसरी ओर दल बदल कानून की मार से बचने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधि सदन के कार्यकाल के अंतिम साल में चुनाव नजदीक आने पर पाला बदलने का रास्ता अपना रहे हैं।

एसटीएफ व साइबर पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

बैंक कस्टमर अधिकारी बन लाखों ठगने वाले दो लोग गुजरात से गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ व साइबर पुलिस थाने ने बैक कस्टमर अधिकारी बनकर 15 लाख रूपये की ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गुजरात से गिरफ्तार किया। जिनको न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड पर लेकर दून लाया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा रोड निवासी बृजेश केन की पत्नी अन्जू केन ने साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन पर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा पीएनबी कस्टमर केयर अधिकारी बताकर उससे ऑनलाईन लिंक भेजकर बैंक खाते से 15 लाख रूपये ठग लिये। साईबर क्राईम थाने में आज्ञत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस जांच में सामने आया कि पीडित से धोखाधडी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी तो ठगों द्वारा उक्त धनराशि गुजरात, पश्चिमी बंगाल, राजस्थान व दिल्ली आदि स्थानों में आहरित होना प्रकाश में आया। ठगों द्वारा फर्जी आईडी कार्ड के आधार पर मोबाईल नम्बरों का प्रयोग कर अपराध कारित किया गया। जिसके बाद निरीक्षक पंकज पोखरियाल के नेतृत्व में टीम का गठन कर गुजरात, पश्चिमी बंगाल, राजस्थान व दिल्ली आदि राज्यों हेतु रवाना की गयी। जिनके द्वारा गुजरात से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिन्होंने अपने नाम ठाकुर जी शैलेश जी पुत्र चमनजी निवासी रूगनाथपुर, हारिज पाटन गुजरात व ठाकुर दयमाजी उर्फ दयाजी पुत्र बाबूजी निवासी बडगाम जनपद पालमपुर गुजरात बताया। दोनों आरोपियों में से एक खाते खुलवाकर आगे गिरोह के अन्य सदस्यों को भेजता था जिसके वह 2000 रूपये लेता था तथा ओटीपी बताने के 500 व 1000 रूपये प्राप्त करता था दूसर अन्य साथी खाताधारक है जिसे खाते में हुए लेनदेन का कमीशन प्राप्त होता है। पुलिस दोनों को ट्रांजिट रिमांड पर दून लाने की तैयारी कर रहे है।

बसंत पंचमी : माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में विशेष पूजा अर्चना की गई

संवाददाता

देहरादून। आज बसंत पंचमी के पावन अवसर पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव गढ़ी कैंट देहरादून में विशेष पूजा अर्चना की गई, मन्दिर में चल रहे विशेष गुप्त नवरात्रि पूजा अनुष्ठान में आज पदमश्री डा० माधुरी बर्थवाल ने भी भाग लिया और माता रानी से देवभूमि उत्तराखंड के चहुमुखी विकास और सुख समृद्धि की मंगल कामना की।

बसंत पंचमी के पावन अवसर पर आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में डा०माधुरी बर्थवाल जी के कर कमलों से बच्चों को पाठ्य सामग्री, खिलौने पतंग आदि वितरित किए गए, पदमश्री मिलने पर आचार्य बिपिन जोशी ने श्रीमती बर्थवाल को माता की चुन्नी, रुद्राक्ष माला, राम दरबार भेंट कर सम्मनित किया और मांगल गीतों और उत्तराखण्ड की संस्कृती और संस्कारों के लिए उनके द्वारा किए जा रहे अतुलनीय योगदान की सरहना करते हुवे उनके दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की।

डा. माधुरी ने बच्चों को अपनी संस्कृति संस्कारों, बोली भाषा लोकगीतों को अपनाने का आहवान किया। इस अवसर श्रीमती गीता जोशी, मानवेंद्र मनु बर्थवाल लोक कलाकार हर्षपति रयाल, कुणाल उप्रेती,दीपेन्द्र नौटियाल, गणेश बिजलवान आदि उपस्थित रहे।

प्रदेश में ध्रुवीकरण की राजनीति..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

या संस्कृति विश्वविद्यालय और मुस्लिम यूनिवर्सिटी के साथ जिस तरह से पेश किया जा रहा है वह ध्रुवीकरण की राजनीति है जिसकी शुरुआत अब प्रदेश में हो चुकी है।

उत्तराखंड कोई उत्तर प्रदेश नहीं है जहां मुस्लिम मतदाताओं की तादाद सत्ता के समीकरण उलट-पुलट कर सकती हो। चंद सीटों पर इसका प्रभाव हो सकता है लेकिन किसी धर्म विशेष या समुदाय विशेष के वोटों के लिए जिस तरह के ध्रुवीकरण के प्रयास किए जा रहे हैं उनका कोई बहुत बड़ा फर्क सूबे की राजनीति पर पड़ने वाला नहीं है।

विधायक नीधि का 77 प्रतिशत ही खर्च कर सके विधायक

संवाददाता

नैनीताल। जनपद के छह विधायक अपनी नीधि का पूरे कार्यकाल में 77 प्रतिशत ही खर्च कर सके जबकि उनके विधानसभा क्षेत्र में 38 काम शुरू हीह नहीं हुए है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान विधायकी समाप्त होने वाले अंतिम वर्ष 2021-022 में नैनीताल जिले के 6 विधायकों की चुनाव घोषणा होने से पूर्व 31 दिसम्बर 2021 तक 77 प्रतिशत विधायक निधि खर्च हुई तथा 524 लाख 47 हजार की धनराशि शेष है जबकि प्रदेश के विध ायकों की 68 प्रतिशत ही खर्च हुई। विध ायकों में कुल 1301 कार्य स्वीकृत हुये, इसमें से दिसम्बर तक 996 कार्य ही पूरे हो सके जबकि 38 कार्य तो ष्शुरू भी नहीं हुये। काशीपुर निवासी सूचना अधि कार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन (एडवोकेट) ने उत्तराखंड के ग्राम्य विकास आयुक्त कार्यालय से विधायक निधि खर्च सम्बन्ध ी विवरणों की सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में उपायुक्त (प्रशासन) हरगोविन्द भट्ट ने अपने पत्रांक 2830 के साथ वर्तमान विधायकों की विधायक निधि विवरण की फोटो प्रति उपलब्ध करायी है। नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार वर्ष 2021-22 में नैनीताल जिले के सभी 6 विधायकों को 375 लाख प्रति विध ायक कुल 2250 लाख की विधायक निधि उपलब्ध हुई है। इसमें से 31 दिसम्बर 2021 तक 1725.53 लाख की विधायक निधि खर्च हुई है तथा 524.47 लाख की विधायक निधि खर्च होने का शेष है। विधायकों द्वारा जिले में कुल 1301 कार्य स्वीकृत किये गये है इसमें से केवल 996 कार्य ही पूर्ण हो सके जबकि 38 कार्य शुरू नहीं हुये है तथा 267 कार्य चल रहे हैं। इन कार्यों में अनुसूचित जाति के लिये कुल 18.52 प्रतिशत 241 तथा अनुसूचित जन जाति के कोई अनुसूचित जनजाति के कार्य नहीं हुये है। नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार सर्वाधिक विधायक निधि 88 प्रतिशत लालकुआ विधायक नवीन चन्द्र तथा जबकि जिले में सबसे कम 44 प्रतिशत हल्द्वानी विध ायक इंदिरा ह्रदेयश की खर्च हुई है। अन्य विधायकों में रामसिंह कैडा की 83, संजीव आर्य की 81, बंशीधर भगत की 81 तथा दीवान सिंह बिष्ट की 83 प्रतिशत विधायक निधि खर्च हुई है। नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार सर्वाधिक 508 कार्य भीमताल विधायक रामसिंह कैडा द्वारा तथा सबसे कम 62 कार्य हल्द्वानी विधायक श्रीमति इंदिरा ह्रदेयश द्वारा स्वीकृत किये गये है। अन्य विधायकों में लालकुआं विधायक नवीन चन्द्र द्वारा 307, नैनीताल विधायक संजीव आर्य द्वारा 195, कालाढूंगी विधायक कैबिनेट मंत्री बंशीधर भगत द्वारा 106 तथा रामनगर विधायक दीवान सिंह बिष्ट द्वारा 123 कार्य स्वीकृत किये गये हैं। स्वीकृत कार्यों में 38 कार्य प्रारंभ नहीं हुये इनमें सर्वाधिक 17 कार्य लालकुआ विधायक नवीन चन्द्र तथा सबसे कम 2 कार्य नैनीताल विधायक संजीव आर्य के है। इसके अतिरिक्त अन्य विधायकों के कार्यों में रामसिंह कैडा के 7, श्रीमति इंदिरा ह्रदेयश के तथा बंशीधर भगत के 6-6 कार्य 31 दिसम्बर 21 तक प्रारंभ नहीं हो सके है। दीवान सिंह बिष्ट का ऐसा कोई कार्य नहीं है। अनुसूचित जाति कल्याण का तो सभी विधायक दावा करते है लेकिन जिले में कुल स्वीकृत 241 अनुसूचित जाति के कार्यों में सर्वाधि क 95भीमताल विधायक ने तथा सबसे कम 10 हल्द्वानी विधायक ने किये है। जबकि अन्य विधायकों में 58 लालकुआ, 37 नैनीताल, 10 हल्द्वानी, 18 कालाढूंगी तथा 23 रामनगर विध ायक द्वारा स्वीकृत कराये गये है। अनुसूचित जनजाति के नैनीताल जिले में किसी भी विधायक द्वारा कोई कार्य स्वीकृत नहीं कराये गये।

सूचना का अधिकार RIGHT TO INFORMATION

❑38 काम शुरू ही नहीं हुए

कार से चार लाख की नगदी बरामद

हमारे संवाददाता

श्यामपुर। उत्तराखण्ड चिड़ियापुर बार्डर पर चुनाव के मद्देनजर चलाये जा रहे चैकिंग अभियान के तहत आज सुबह एसएसटी व श्यामपुर पुलिस ने एक कार से लाखों रूपये की नगदी

बरामद की गयी है। जिसका विवरण न देने पर संयुक्त टीम द्वारा नगदी को सीज कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आज सुबह चिड़ियापुर बार्डर पर एसएसटी व श्यामपुर थाना पुलिस द्वारा चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान संयुक्त टीम को एक स्कार्पियों कार आती हुई दिखायी दी। टीम द्वारा जब कार की तलाशी ली गयी तो कार में से चार लाख रूपये की नगदी बरामद हुई। कार सवार मोहम्मद सलीम पुत्र मोहम्मद असलम निवासी मोहम्मदपुर रुड़की से जब बरामद नगदी के बारे में पूछताछ की गयी तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया जिस पर संयुक्त टीम द्वारा बरामद नगदी को मौके पर सीज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गयी है।

चुनाव प्रभावित करने के उद्देश्य से लाई गई 140 पेटी शराब बरामद

उधमसिंहनगर (हमारे संवाददाता)। विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने के उद्देश्य से जिले में लाई जा रही भारी मात्रा में शराब को पुलिस ने एक ट्रैक्टर ट्राली से बरामद कर लिया गया है। हालांकि ट्रैक्टर चालक पुलिस की मौजूदगी में फरार होने पर सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उधमसिंह नगर बरिन्दरजीत सिंह द्वारा प्रदेश में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव को देखते हुए जनपद में अवैध शराब की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने व अवैध तरीके से नशीले पदार्थों का क्रय-विक्रय करने वालों के खिलाफ प्रभावी चैकिंग अभियान हेतु आदेशित किया गया है। इस क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर ममता वोहरा, पुलिस अधीक्षक अपराध हिमांशु वर्मा के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी सितारगंज ओम प्रकाश के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक सितारगंज के निर्देशन में 'एफएसटी 1 शक्तिफार्म व कोतवाली सितारगंज पुलिस द्वारा कल देर रात संयुक्त चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को देर रात देवनगर चौराहे पर एक संदिग्ध ट्रैक्टर ट्राली आती हुई दिखायी दी। टीम द्वारा जब उसे रोका गया तो ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर मौके पर ही छोड़ कर भाग निकला। जब संयुक्त टीम द्वारा ट्रैक्टर ट्राली की तलाशी ली गयी तो उसमें रखी 140 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इस पर संयुक्त टीम उक्त ट्रैक्टर ट्राली को कोतवाली ले आयी। जहां अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी है। पुलिस के अनुसार उक्त शराब विधानसभा चुनावों को प्रभावित करने के उद्देश्य से जिले में लायी जा रही थी।

❑ट्रैक्टर-ट्राली चालक फरार, तलाश जारी

एक नजर

मुंबई सीरियल ब्लास्ट में शामिल आतंकी अबु बक्र यूएई से गिरफ्तार!

मुंबई। १९९३ मुंबई ब्लास्ट के मोस्ट वांटेड आतंकी अबु बक्र को यूएई से गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी यूएई की एजेंसियों के सहयोग से की गई है। सूत्रों ने यह भी बताया की उसे भारत लाने का प्रयास किया जाएगा। एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि साल २०१९ में भी वह यूएई से ही पकड़ा था और तब उसे भारत लाने में सफलता नहीं मिली थी। इस बार दोबारा उसे पकड़ा गया है और इस बार भारत लाने की कोशिश होगी। अबु पर भारत में ब्लास्ट के लिए आरडीएक्स लाने का आरोप है। मिली जानकारी

के अनुसार उसे पकड़ने के लिए काफी दिनों से ऑपरेशन चलाया जा रहा था। गिरफ्तारी से पहले उसे पाकिस्तान और यूएई में छिपे रहने की जानकारी मिली थी। दरअसल अबु बक्र को अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम का करीबी माना जाता है। उसपर १९९३ में मुंबई ब्लास्ट में शामिल होने के अलावा पीओके में विस्फोटकों की ट्रेनिंग देने और आतंकियों को हथियार सप्लाई करने जैसे कई आरोप हैं। अबु बक्र पर आरोप है कि मुंबई ब्लास्ट के दौरान उसने ही भारी मात्रा में आरडीएक्स की सप्लाई की थी। १२ मार्च १९९३ में हुए मुंबई ब्लास्ट में २५७ लोगों की मौत हुई थी।

जम्मू-कश्मीर में 5.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर में शनिवार को ५.७ तीव्रता का भूंकप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण किसी तरह के जान–माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि सुबह नौ बजकर ४५ मिनट पर आए भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान–ताजिकिस्तान सीमा पर था। जम्मू–कश्मीर में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गए। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर स्केल पर ५.७ मापी गई है। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग अपने–अपने घरों से बाहर निकल आए। उन्होंने बताया कि भूकंप के कारण किसी तरह के जान–माल के नुकसान की खबर नहीं मिली है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को इस्लामाबाद, रावलपिंडी और पंजाब के कई अन्य शहरों और खैबर पख्तूनख्वा में ५.९ तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी केंद्र, इस्लामाबाद के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में २१० किमी की गहराई पर था।

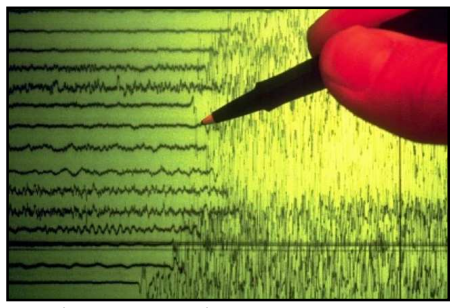

स्वर कोकिला लता मंगेशकर की हालत नाजुक!

मुंबई। स्वर कोकिला लता मंगेशकर पिछले काफी दिनों से ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें दोबारा वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया गया है। बता दें कि पिछले जानकारी सामने आई थी कि लता मंगेशकर की तबीयत में सुधार हुआ है लेकिन अब कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि उनकी स्थिति

एक बार फिर गंभीर हो गई है। इलाज कर रही ब्रीच कैंडी अस्पताल की डॉ प्रतीत समदानी ने कहा कि उनकी हालत नाजुक है। वह वेंटिलेटर पर है। अभी भी आईसीयू में है और डॉक्टरों की निगरानी में रहेगी। लता मंगेशकर के बारे में यह खबर सामने आने के बाद एक बार फिर उनके फैन्स चिंतित हो गए हैं। इससे पहले ९२ साल की लता मंगेशकर की प्रवक्ता ने आधिकारिक रूप से कहा था कि लता मंगेशकर की हालत स्थिर और पहले से बेहतर है। उनकी उम्र को देखते हुए डॉक्टर उन्हें डिस्चार्ज करने से पहले सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वो पूरी तरह से ठीक हो जाएं। लेकिन एक बार फिर हालात बिगड़ने के कारण उन्हें आईसीयू में ही भर्ती कराया गया हैं। उनकी उम्र भी ज्यादा है ऐसे में उनसे किसी को मिलने भी नहीं दिया जा रहा है। लता मंगेशकर को भारत में स्वर कोकिला के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अपनी आवाज के जादू से हर किसी को अपना फैन बनाया है।

कांग्रेस गरीब-किसान व मजदूरों के साथः राहुल

संवाददाता

किच्छा/हरिद्वार। भाजपा की मोदी सरकार ने देश में दो हिंदुस्तान बना दिए हैं गरीबों का हिंदुस्तान और अमीरों का हिंदुस्तान। यह बात आज चुनावी दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कही गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश के गरीब–किसान और मजदूरों के साथ खड़ी है।

●किसानों ने दिया राहुल को समर्थन का भरोसा
●मोदी प्रधानमंत्री नहीं वह देश के राजा हैं

उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में देश के किसान, मजदूर और गरीब सबसे ज्यादा परेशान हैं। देश में बढ़ती महंगाई ने उनका जीवन मुश्किल कर दिया है। देश भर में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी ने आम आदमी को परेशानी में डाल रखा है, लेकिन भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी देश के चंद अमीरों को और अधिक अमीर बनाने के लिए काम करते रहे हैं। देश में गरीबों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बेरोजगार, युवा हताश और निराश तथा परेशान हैं उनकी कोई बात तक सुनने वाला नहीं है। बेरोजगारों को रोजगार देने की जगह उन पर लाठियां बरसाई जाती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की जहां भी सरकार है या जहां भी कांग्रेस की सरकार बनेगी, कांग्रेस की पहली प्राथमिकता गरीब, किसान और मजदूरों की समस्याओं को कम करने के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उनकी मदद के लिए एक ऐसा रोडमैप तैयार किया है कि सरकारी तमाम योजनाओं का सीधा लाभ उन्हें मिल सके। राहुल गांधी ने आज अपने एक दिवसीय उत्तराखंड दौरे के दौरान पहले उधम सिंह नगर के किच्छा में नवीन मंडी में आयोजित एक कार्यक्रम में किसानों से सीधा संवाद किया गया।

किसानों से संवाद के दौरान उन्होंने किसानों की समस्याओं को सुना। इस संवाद में किसानों की कई यूनियनों के नेताओं ने उनके सामने अपनी समस्याएं रखी। किसान नेताओं ने तीन कृषि कानूनों की वापसी के लिए चलाए गए आंदोलन में कांग्रेस के समर्थन के लिए आभार जताते हुए कहा कि उत्तराखंड के किसानों ने भाजपा का बहिष्कार और कांग्रेस के समर्थन की घोषणा की। इस अवसर पर राहुल गांधी ने कहा कि स्वतंत्रता की लड़ाई किसानों व आम आदमी ने लड़ी थी, हरित क्रांति की लड़ाई किसानों ने लड़ी थी। उन्होंने कहा कि हमें कोई इस लड़ाई से नहीं हटा सकता हम यह लड़ाई लड़ते रहेंगे।उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान के 100 लोगों के पास जितना धन है उतना आधे हिंदुस्तान के लोगों के पास है। हम किसानों के साथ इसलिए खड़े हुए क्योंकि यह किसानों के साथ मजदूरों के साथ अन्याय था। उन्होंने आज के पीएम को राजा बताया वह प्रधानमंत्री नहीं है। कांग्रेस के समय में ऐसा नहीं था। कहा कि एक साल में प्रधानमंत्री ने एक बार भी बात करने की जरूरत नहीं समझी क्यों? क्योंकि मोदी प्रधानमंत्री नहीं राजा है। इस अवसर पर पूर्व सीएम हरीश रावत सहित अनेक लोग मौजूद थे।

मैक्स खाई में गिरी, तीन लोगों की मौत

हमारे संवाददाता

चमोली। उत्तराखण्ड के पहाड़ी जिलों में दर्दनाक हादसों का सिलसिला लगातार जारी है। बीती रात भी चमोली जिले के रामणी गांव निवासी तीन युवाओं की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। दुर्घटना का पता आज सुबह स्थानीय लोगों को चला तो उनकी सूचना के बाद मौके पर पहुंची राजस्व पुलिस प्रशासन की टीमों द्वारा उनके शवों को बाहर निकाला जा सका।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब साढ़े सात बजे घूनी–रामणी मोटर मार्ग पर एक मैक्स वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जिसमें सवार तीन युवाओं की मौत हो गई है। क्षेत्र में मौसम बेहद खराब था, जिससे रात को किसी को भी दुर्घटना का पता नहीं चल पाया।

बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर दुर्घटना हुई है, वह जंगल का क्षेत्र है। रामणी गांव के ग्राम प्रधान सूरज पंवार के अनुसार उक्त वाहन रामणी गांव से घूनी जा रहा था। बताया कि आज सुबह जब रामणी गांव से एक वाहन घूनी गांव की ओर जा रहा था, तो वाहन में सवार लोगों ने खाई में गाड़ी गिरी देखी। जिसके बाद अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसकी सूचना राजस्व पुलिस को भी दे दी गई।

दुर्घटना में प्रकाश सिंह पुत्र कुंदन सिंह, देवेंद्र सिंह पुत्र कैलाशी सिंह और तोता राम सभी रामणी गांव निवासी की मौत हो गई है। ग्रामीणों की मदद से तीनों मृतकों के शव खाई से सड़क तक लाया गये है जहां अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

70 लोगों को सौंपे उनके खोये मोबाइल

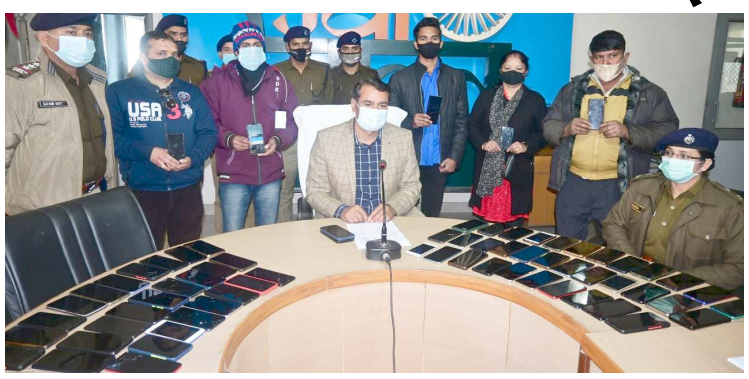

संवाददाता

देहरादून। साइबर क्राईम सैल ने लगभग दस लाख की कीमत के 70 मोबाइल उनके स्वामियों को सौंप दिये।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुएश पुलिस उपमहानिरीक्षक / वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जन्मेजय खण्डूरी द्वारा जनपद मे खोये हुए मोबाइलो की बरामदगी हेतु साइबर क्राइम सैल को निर्देशित किया गया था, जिसके क्रम में पुलिस अधीक्षक अपराध एंव श्रीमान क्षेत्राधिकारी स्पेशल ऑपरेशन के निकट पर्यवेक्षण में जनपद देहरादून में खोये गये मोबाइल फोनों की बरामदगी हेतु साइबर क्राइम सैल टीम द्वारा कडी, मेहनत व लगन से कार्य करते हुये सर्विलांस के माध्यम से, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड आदि राज्यों से जनपद देहरादून से खोये गये कुल 70 स्मार्ट मोबाईल फोन बरामद किये गये। बरामद किये गये मोबाइलों को आज उनके स्वामियों के सुपुर्द किया गया। अपने खोये हुऐ मोबाईल फोन को वापस पाने पर उनके स्वामियों द्वारा पुलिस टीम का धन्यवाद व्यक्त किया गया।

युवक की हत्या, हत्यारोपी फरार

संवाददाता

देहरादून। सब्जी काटने वाले चाकू से गोदकर युवक की हत्या कर दी। हत्यारोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रेश्वर नगर निवासी बाबू ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके भाई शिवा उर्फ छोटू निवासी चन्द्रेश्वर नगर पर रामपुर उत्तर प्रदेश निवासी छोटू पुत्र कल्लू ने सब्जी काटने वाले चाकू से उसके सीने पर वार कर दिये जिसको लेकर वह एम्स अस्पताल पहुंचे जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हत्यारोपी की तलाश जारी है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।